"SEVENTH VERIFICATION"

The seventh verification to identify the majority unions of employees in BSNL is scheduled to take place in April/May, 2016. The ensuing verification will take place as per New Recognition Rules of year 2013 in accordance with which not more than two unions will be recognized for the non-executive staff. However, if a union secures more than 50% of total votes then that particular union alone will be recognized to ventilate the grievances of the employees. The process of participation in the election will begin shortly and continue for a month as agreed by all the unions in the meeting of 11th January. In the aforesaid meeting not even single union demanded any relaxation or change in the Recognition Rule of year 2013 and apparently all were satisfied with the end of monopoly of single union and also with the existing two unions' concept with the provision of proportionate representation in the council.

The present referendum carries great importance as far as BSNL and its employees including retired personnel are concerned. The BSNL may face many onslaught and challenges between years 2016 to 2019 viz. merger of BSNL-MTNL, formation of Tower Company, Deloitee Committee recommendations which have to be handled keeping in view the interest of the PSU and the employees. It is crystal clear in the present scenario only two broad based unions have better prospects to get recognition after the referendum. *The NFTE (BSNL), seeks help and cooperation from all applicant unions in the verification and assures them that it will face the confronted challenges with their guidance and cooperation.* Unmistakably, the task in three years from 2016 will be difficult to tackle but not impossible.

After the last verification two unions NFTE and BSNLEU were recognized. The NFTE maintained functional unity not only at HQ level but in some Circles also. Of course in many Circles due to various factors the Councils could not function. This has undoubtedly been very unfortunate despite no lacking from our side.

The atmosphere in the field after existence of two recognized unions has almost changed and fear of transfers no longer exists in the field. Partisan transfers have come to an end to a very large extent. National Council meetings took place at regular interval. Many problems are solved and in some headway made for settlement through the Negotiating Machinery. ***Today, pension of absorbed employees is in danger due to MoF stand on 60:40 ratio imposed vide DoT letter No. 1-45/2003-04 dated 15-06-2006. These pernicious orders have to be withdrawn to protect future, the pension.*** Due to these restrictive orders the pension of employees retired prior to 09-06-2013 is not being revised on the plea that pension expenditures have exceeded 60% limit of Taxi receipt from BSNL/MTNL. The wage revision w.e.f. 01-01-2017 has to be ensured. The pension situation will further worsen after wage revision due to DoT orders dated 15th June, 2006. Therefore, orders dated 15-06-2006 have to be withdrawn by all means and Government should pay the pension.

The NFTE calls upon all the non-executive employees to read writings on the walls and take into account performance of past three years and ***support NFTE to face the challenges and to safeguard the future of BSNL and its employees.***

NFTE seeks valued cooperation, help and support of all the non-executive employees and unions being committed to the unity.

सातवां वेरीफिकेशन

नान–एक्जीक्यूटिव कर्मचारियों की बहुमत संघों को चिन्हित करने हेतु प्रबंधन अप्रैल/मई में चुनाव सम्पन्न करने का निर्णय लिया है। यह वेरीफिकेशन वर्ष 2013 के बीएसएनएल के मान्यता नियम के अनुसार होगा जिसमें केवल दो बहुमत प्राप्त संघों के मान्यता तथा कौसिंलों में समानुपातिक प्रतिनिधित्व देने का प्रावधान है। परंतु यदि किसी संघ को कुल मतों का 50 प्रतिशत से अधिक कर्मचारियों का मत मिलता है तो केवल उसी संघ को मान्यता मिलेगी अन्य किसी को नहीं। वेरिफिकेशन की प्रक्रिया शीघ्र प्रारंभ होना है जो कि एक माह तक जारी रहेगा। 11 जनवरी को प्रबंधन के साथ बैठक में किसी भी संघ ने मान्यता नियम में शिथिलता अथवा रियायत के मुद्दों को नहीं उठाया है। इससे स्पष्ट है कि दो संघ के प्रावधान से सभी संतुष्ट हैं।

वर्तमान का चुनाव कर्मचारियों, सेवानिवृत्त सहित, तथा बीएसएनएल हेतु अत्यंत महत्वपूर्ण है। वर्ष 2016 से 2019 तक बीएसएनएल के सम्मुख अनेक चुनौतियां जैसे कि बीएसएनएल–एमटीएनएल मरजर, टॉवर कंपनी की स्थापना, डिलाइट सिफारिशें आदि प्रस्तुत हो सकती हैं जिनका गंभीरता से समाधान कंपनी तथा कर्मचारी दोनों के हित में सुनिश्चित करना है। स्थिति स्पष्ट है कि चुनाव के परिणाम आने के पश्चात् केवल ***दो संघों को मान्यता मिलने की प्रबल संभावना है। ऐसी स्थिति में एनएफटीई अन्य संघों से सहयोग देने की अपील करता है तथा आश्वस्त करता है कि हम उनके मार्गदर्शन तथा सहयोग द्व ारा चुनौतियों का सामना करने में सफल होंगे।*** निश्चित ही वर्ष 2016 से प्रारंभ 3 वर्ष के कार्य कठिन होंगे परंतु असंभव नहीं।

छठवें वेरीफिकेशन के उपरांत दो संघ एनएफटीई– बीएसएनएलईयू को मान्यता मिली थी। एनएफटीई कर्मचारियों के हित में हेडक्वार्टर स्तर पर कुछ सर्किलों में भी "फंक्शनल यूनिटी" (कार्य एकता) स्थापित की। यह वास्तविकता है कि अनेक सर्किलों में कौंसिल की बैठकें नहीं हुई। यह अत्यंत दुखद है क्योंकि हमारे पक्ष से कौंसिलों के फन्कशन में कोई बाधा उत्पन्न नहीं की गई। दो संघों को मान्यता मिलने के पश्चात् फील्ड के वातावरण में भी सुधार हुआ तथा भय के वातावरण का भी अंत हुआ है। भेदभावपूर्ण ट्रांसफर लगभग नहीं रहा है।

नेशनल कौंसिल की बैठकें लगभग नियमित रूप से हुई है। बहुत सी समस्याओं का समाधान हुआ तथा निगोशिएटिंग मशीनरी के माध्यम से कुछ में प्रगति है। आज बीएसएनएल में सम्मिलित *कर्मचारियों की पेंशन खतरे* में है। वित्त मंत्रालय पेंशन भुगतान में 60:40 के अनुपात पर अडिग है। *यह सीमा (अनुपात) डीओटी ने पत्र संख्या 1–45/2003–बी दिनांक 15.6.2006 में निर्धारित की है। इस खतरनाक आदेश की वापसी आवश्यक है जिससे कि कर्मचारियों के भविष्य (पेंशन) की सुरक्षा हो। इस आदेश के कारण ही 9.6.2009 के पूर्व सेवानिवृत्त कर्मचारियों का पेंशन संशोधन नहीं हो रहा है। कर्मचारियों का 1.1.2014 से वेतन संशोधन सुनिश्चित करना है। इसके पश्चात् पेंशन भुगतान में जटिल समस्या उत्पन्न होगी क्योंकि पेंशन खर्च 60% टैक्स की निर्धारित सीमा को लांघ लिया है।* अतः डीओटी के आदेश 15.6.2006 की वापसी प्रत्येक दशा में हो तथा सरकार पेंशन भुगतान करे।

एनएफटीई की सभी नान–एक्जीक्युटिव कर्मचारियों तथा संघों से अपील है कि वे समय की पुकार पर ध्यान दें तथा एनएफटीई को सहयोग करें जिससे कि चुनौतियों का हम सभी मिलकर सामना कर सकें तथा कर्मचारियों के भविष्य को सुरक्षित किया जा सके। *एनएफटीई की एकता में प्रबल आस्था तथा विश्वास है। अतः सभी के सहयोग का इच्छुक है।*